सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 14 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 108, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड पुलिस की अनदेखी से गंगा में मछलियों का हो रहा शिकार... » Pg02

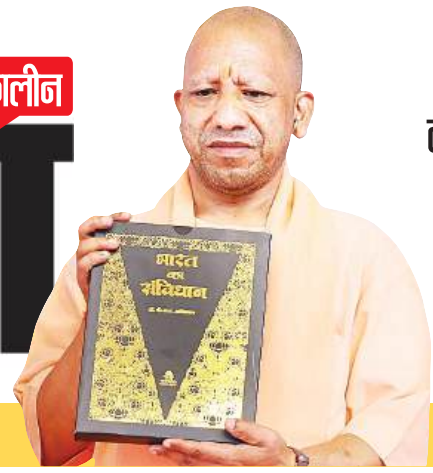

रूल ऑफ लॉ अक्षरशः जमीनी धरातल पर दिखता हैः मुख्यमंत्री

» Pg12

कासगंजः मंगेतर के सामने इज्जत लूटी, वीडियो भी बनाए

रेपिस्ट बॉडी बिल्डर गैंग का सरगना है अखिलेश प्रताप

छोटे बाबूजी और सदर विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह के साथ फोटो-वीडियो पोस्ट कर खुद को युवा भाजपा नेता बताता है गब्बर उर्फ एपीएस । पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल, दो फरार, तलाश जारी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज में एक युवती के साथ सामूहिक बलात्कार की सनसनीखेज घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। आठ लोगों ने युवती और उसके मंगेतर पर हमला किया, बलात्कार किया और वीडियो बनाया। ये वीडियो पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल से बरामद की है। पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाती है और कानून व्यवस्था की कमजोरी को उजागर करती है। युवती के साथ की गई हैवानियत से हर कोई शर्मसार है और ये मामला चर्चाओं में बना हुआ है। अब इस मामले में पुलिस ने सख्त कदम उठाया है।

लाल घेरे में युवा भाजपा नेता अखिलेश प्रताप सिंह, उर्फ गब्बर उर्फ एपीएस

उत्तर प्रदेश स्थित कासगंज में गैंगरेप के एक मामले में आरोपी को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। दावा है कि गैंगरेप के आरोपियों में से एक आरोपी बीजेपी का स्थानीय नेता है उसका नाम अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ़ गब्बर है। कासगंज में अपने मंगेतर के साथ घूमने गई एक युवती से 8 से 10 आरोपियों ने उन्हें अकेला पाकर घेर लिया था। उन्हें पकड़ कर दूसरी जगह ले गए। वहां मंगेतर को बंधक बनाकर उसके सामने युवती के साथ दरिंदगी को अंजाम दिया था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। स्पेशल टीम बनाकर आठ आरोपियों को पकड़ लिया गया जिनमें से एक बीजेपी का स्थानीय नेता अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ गब्बर बताया जा रहा है।

इसके खिलाफ कासगंज में कई मुकदमे पहले से भी दर्ज हैं और अभी भी दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। जिनकी तलाश में पुलिस लगातार तफ्तीश में जुटी हुई है। गैंगरेप के दो आरोपी अभी भी फरार हैं, उनकी तलाश पुलिस कर रही है।

सोशल मीडिया पर हथियारों संग जलवा

कितने ही रसूखदार हों, आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे

इस संदर्भ में कासगंज के एडिशनल एसपी राजेश भारती ने बताया कि कासगंज क्षेत्र में एक युवती के साथ कुछ अपराधियों ने बलात्कार की घटना कारित की थी जिसमें कासगंज और क्राइम ब्रांच अन्य थानों की गठित टीम उतारा। उन आरोपियों में से कुल आज आठ आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई

सदर विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह को चाचा बताने वाला आरोपी अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ गब्बर

आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करेंगे- बोलीं एसपी कासगंज की एसपी अंकिता शर्मा ने बताया, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य आरोपियों की तलाश के लिए कई पुलिस टीमें लगी हुई हैं। पुलिस मामले में कड़ी कार्रवाई कर रही है। पीड़िता अपने ननिहाल में रहती है। पीड़िता 9 बहनें है। नाना-नानी के न होने के कारण पूरा परिवार ननिहाल में रहता है।

ये हैं आरोपियों के नाम

पुलिस ने गैंगरेप के आरोप में अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ गब्बर, पुत्र दिनेश सिंह, निवासी गढ़ी अड्डा दुर्गा कालोनी कस्बा व थाना व जनपद कासगंज। अमित कुमार, पुत्र महेश चंद्र, निवासी मिर्जा तयैबपुर कोठी, थाना ढोलना जनपद कासगंज। सोनू उर्फ सत्यपाल, पुत्र राजपाल, निवासी हिम्मतपुर सई थाना व जनपद कासंगज। अजय कुमार, पुत्र प्रेमशंकर, निवासी नगला बीच थाना ढोलना जनपद कासगंज। रिंकू, पुत्र शेर सिंह निवासी हिम्मतपुर सई थाना व जनपद कासंगज। सौरभ, पुत्र विरेन्द्र सिंह, निवासी कोठरा, थाना ढोलना जनपद कासगंज। बृजेश कुमार, पुत्र राजकुमार, निवासी नगला थान थाना व जनपद कासंगज। सोनू कुमार, पुत्र कन्हैयालाल, निवासी हिम्मतपुरसई थाना व जनपद कासंगज के नामों का खुलासा किया है।

है इसमें से दो आरोपी अभी भी शेष हैं शीघ्र ही उनकी भी गिरफ्तारी करके सभी के विरुद्ध कठोर से कठोर वैधानिक कारवाई की जाएगी।

वहीं यूपी महिला आयोग की सदस्य रेणु गौड़ ने कहा कि आरोपी चाहे कितने भी रसूख वाले क्यों ना हो बख्श नहीं जाएंगे। सभी के खिलाफ कड़ी कारवाई होगी। जो गैंगरेप हुआ है उसमें पूरी तरीके से कार्यवाही हुई है। जैसा कि मेरे संज्ञान में था तो मैंने पूरी मदद की है। मेरी पूरी टीम वहां पहुंची हुई थी। चाइल्ड हेल्पलाइन से सौरभ जी गए हुए थे। अपनी टीम के साथ में बच्ची को सामने लाया गया। बच्ची से सारी घटना पूछी गई बच्ची ने सारी घटना को अच्छे से बताया उसकी बात को समझा पर बच्ची बहुत डरी हुई थी।

पुलिस की अनदेखी से गंगा में मछलियों का हो रहा शिकार

» स्थानीय मछुवारे दिन में जाल लगाकर मछली पकडते हुए दिखे

» कोहना और नवाबगंज क्षेत्र के अंतर्गत गंगा बैराज में हो रहा शिकार

एनजीटी के निर्देश पर गंगा नदी में जलीय जीवों के शिकार पर रोक लगाई गई थी, इसके बाद भी नहीं हो पा रहा नियंत्रण

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा नदी में जलीय जीवों के शिकार पर रोक है। इसके बाद भी कानपुर के गंगा बैराज के पास खुलेआम मछुवारे मछलियों का शिकार करते हुए नजर आते हैं। जाल डाल डाल कर मछलियों के बच्चों तक शिकार किया जा रहा है। इसमें कोहना और नवाबगंज पुलिस की अनदेखी या मिलीभगत कही जा रही है। इसके चलते बेधडक शिकार हो रहा है।

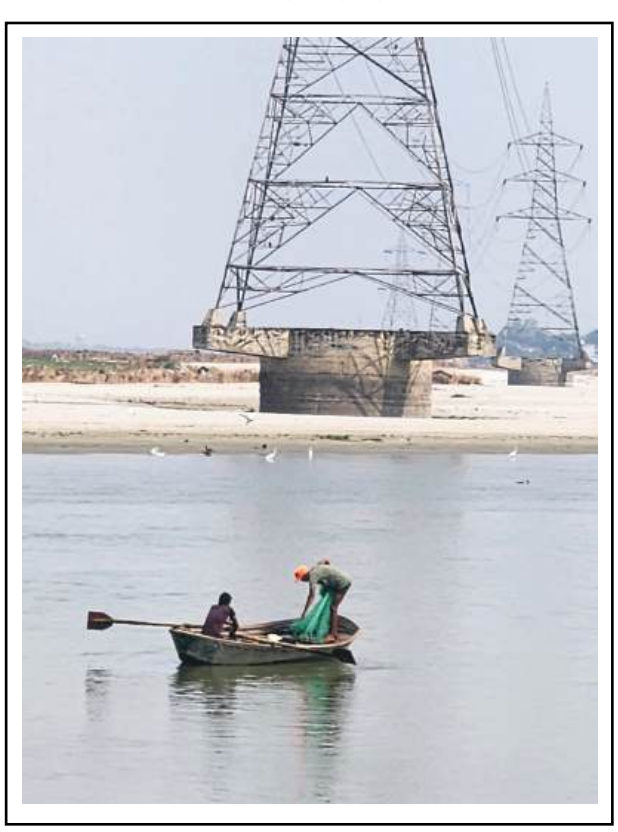

गंगा बैराज इलाका कोहना थाना के अंतर्गत है। यहां पर मछलियों की बडी मार्केट सुबह लगती है लेकिन बीते कुछ समय से सख्ती होने के कारण वह मार्केट बंद हो गई थी। शनिवार दोपहर को गंगा बैराज के पास अटल घाट के सामने नाव पर सवार कुछ युवक खुलेआम जाल लगाकर मछलियों का शिकार करते नजर आए। 'स्वराज इंडिया संवाददाता' ने कैमरे से शिकारियों की तस्वीरें खींची तो वह नाव लेकर भागने लगे लेकिन यह तो सिर्फ बानगी है। क्यों कि जिस तरह से खुलेआम नाव से शिकार कर रहे हैं तो रात में क्या होता होगा यह भी समझा जा सकता है। गंगा बैराज के उन्नाव साइड पुलिस चैकी भी स्थापित है, इसके बाद भी कोई देखने और टोकने वाला नहीं है। इनपुट है कि गंगा बैराज से लेकर शुक्लागंज तक कई जगहों पर मछलियों एवं अन्य जीवों का बडे पैमाने पर शिकार हो रहा है। इनको बाजार में बेंचा जा रहा है। हालांकि, इस मामले में कोहना एसएचओ ने कहा कि शिकारियों पर नजर रहती है। चोरी छिपे शिकार करने वालों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। पुलिस कर्मी सादे वेश में लगाकर मानीटरिंग करेंगे।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रदेश के पहले संघ भवन का किया उद्घाटन

» बोले- भारत हिंदू समाज का घर है और संघ जीवन

» भागवत ने केशव भवन प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया

» भागवत शहर में पांच दिन प्रवास करेंगे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन मधुकर भागवत ने सोमवार को कारवालोनगर में नवनिर्मित प्रदेश के पहले संघ भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संघ कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए समाज को कार्य करना होगा। भारत हिंदू समाज का घर है। संघ जीवन है। संघ का कार्य सबके जीवन में सुचिता और करुणा लाना है। भागवत ने बाबा साहब को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदू समाज को विषमता से बाहर लाने का काम किया।

भागवत पांच दिन शहर में ही प्रवास करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान वह क्षेत्र और कानपुर प्रांत से जुड़े प्रचारकों के साथ बैठक कर अक्तूबर में होने वाले संघ के शताब्दी वर्ष की कार्ययोजना तैयार करेंगे। इसे पूरे देश में अभियान के तौर पर लागू किया जाएगा।

प्रचारकों के साथ करेंगे बैठक

शाम को वह क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिला प्रचारकों के साथ बैठक कर सेवा, समरसता, पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों पर भी चर्चा करेंगे। इसमें घर-घर तुलसी वितरण, प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानियों पर भी बातचीत की जाएगी। वह 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से एक सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद 15 को ही कोयला नगर और 16 को निराला नगर की शाखा में शामिल होने जाएंगे। 17 को संघ की प्रांत कार्यकारिणी के साथ संघ शताब्दी वर्ष में संघ पंच परिवर्तन को लेकर चर्चा की जाएगी।

कानपुर में केशव भवन की भव्य इमारत

राजस्थानी लाल पत्थरों से बना है संघ भवन

नवनिर्मित चार मंजिल संघ भवन में राजस्थान से लाए गए लाल पत्थरों का प्रयोग किया गया है। भवन की पेंटिंग गोबर मिश्रित विशेष पेंट से कराई गई है। भवन का मुख्य द्वार और चारदीवारी भी लाल पत्थर से बनाई गई है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग के अलावा एक बड़ी लाइब्रेरी की स्थापना भी की गई है।

संविधान निर्माता की मनाई गई 134वीं जयंती

» जगह जगह मनाई गई डा भीमराव अम्बेडकर जयंती

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती । सरवनखेड़ा विकास खण्ड में जगह जगह मनाई गई अम्बेडकर जयंती इसी तरह तिलौची ग्राम प्रधान अर्चना गौतम द्वारा बाबा साहब को माला पहनाई और बताया कि हमारे देश में आज का दिन बेहद खास है। इस दिन देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष बाबा साहेब अंबेडकर की 134 जयंती मनाई जा रही है। इस दिन देशभर के सरकारी दफ्तरों, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने और उनके द्वारा देश को दिए गए योगदान के लिए याद किया जाता है।

ग्राम प्रधान ने कहा कि बाबा साहेब का पूरा नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर था। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्य प्रदेश के महू जिले में हुआ था। उनका जन्म एक महार परिवार में हुआ था। उस समय समाज में निचली जाति वालों को ऊंची जाति वालों की तरह पढ़ने, लिखने सहित अन्य कामों से वंचित रखा जाता है। कई बार उनके साथ इसी के चलते स्कूल में भेदभाव किया गया और उन्हें क्लास में अन्य बच्चों से अलग बैठाया गया। इसी के चलते उनके मन में एक अलग जागी और उन्होंने अपना पूरा जीवन दलितों के उत्थान के लिए लगा दिया। इसके बाद वे देशभर में पिछड़े वर्ग के लिए देश की बुलंद आवाज बनकर सामने आये।

बाबा साहेब ने विदेश से की थी पढ़ाई

बाबा साहेब ने ने वर्ष 1907 में दसवीं की परीक्षा पास की थी। बाद वे उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी के एल्फिंस्टन कॉलेज में वर्ष 1915 में इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, हिस्ट्री, फिलॉसफी और एंथ्रोपोलॉजी के साथ एमए किया। 1916 में ग्रेज इन में वकालत के कोर्स में दाखिला लिया। इसके बाद लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई की। उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से 1927 में इकोनॉमिक्स में पीएचडी की थी। उसके बाद 1952 में ऑनरेरी डिग्री भी हासिल की।

आरएसएस के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला

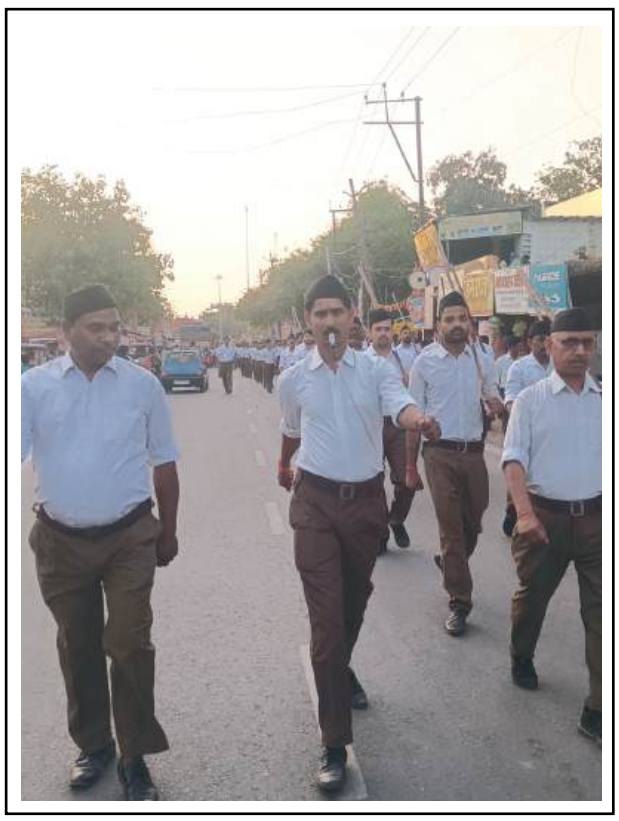

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। रविवार को बिल्हौर कस्बे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक भव्य पथ संचलन आयोजित किया। यह पथ संचलन क़स्बा स्थित जूनियर हाईस्कूल परिसर से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए वापस स्कूल परिसर में जाकर संपन्न हुआ। निश्चित गति व पूर्व घोषित निर्धारित समयावधि के साथ स्वयंसेवकों की कदमताल देखते ही बनी।निर्धारित स्थानों से पथ

» स्वयंसेवकों पर लोगों ने बरसाए फूल

» सैकड़ों स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर किया मार्च

संचलन गुजरने के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं भाजपाईयों ने पथ संचलन के मार्ग पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया।

पथ संचलन में हर आयु वर्ग के स्वयंसेवक अपनी पूर्ण पोशाक में शामिल हुए। मार्च के दौरान स्वयंसेवक कतारबद्ध होकर चल रहे थे। और उनके आगे और पीछे पुलिस प्रशासन चल रहा था। इस दौरान प्रमुख वक्ता के रूप में फर्रुखाबाद विभाग के सह विभाग प्रचारक अमित, नगर संघ चालक अनिल, सह नगर संघ चालक रामअवतार, कार्यवाह अर्जुन,सह नगर कार्यवाह नीरज, नगर प्रचारक समरेन्द्र, नगर प्रचारक प्रमुख ऋषि, जिला कार्यवाह राकेश, जिला प्रचारक सोमेन्द्र, विभाग संघ चालक नरेश समेत मन्नत, रिंकू आदि कई संघ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

भव्य ढंग से मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। माली सैनी महासभा उ. प्र. द्वारा महान समाजसेवी एवं शिक्षा सुधारक महापुरुष महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का आयोजन मसवानपुर कानपुर में किया गया।इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले जी चित्र का मल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक महंत रामऔतार सैनी, रामेश्वर सैनी भोला, रमेश चंद्र सैनी अध्यक्ष, महेश सैनी, शिव कुमार सैनी, सीएल सैनी, गौरीशंकर सैनी, सुनील सैनी, रोहित सैनी, अनिल सैनी, रामबाबू सैनी, सतीश सैनी, रघुवंशी सैनी, वरुण सैनी एवं महिला सदस्यों ने भाग लिया।

सम्पादकीय

वीरान गांवों में वृद्धों की मदद को आयोग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा।बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे।

पाकिस्तान की खामोशी से उठती आवाज़ें

ज्योति मल्होत्रा

साल 2008 के मुंबई में आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर पाकिस्तानी मीडिया की चुप्पी काफी कुछ कह रही है। हालांकि एक दौर में पाक के 'डॉन' जैसे अखबार वहां की तानाशाह सरकारों से लोहा लेते रहे। लेकिन मौजूदा सैन्य तानाशाही का शिकंजा बुरी तरह कसा है। दरअसल, मुंबई पर हमले के दिनों और रातों की यादें पाकिस्तान पर कफन की तरह मंडरा रही हैं। अब जरूरी है कि पाक आतंक में अपनी भूमिका स्वीकार करे व उस पर लगाम लगाये।'पाकिस्तान को मुंबई में हुए आतंकी हमले का सामना करना ही पड़ेगा, जिसकी योजना उसकी धरती पर बनी। इसके लिए उसे सच्चाई का सामना करने की ज़रूरत है। सुरक्षा तंत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लंबे समय से लंबित इस जघन्य आतंकी हमले के अपराधियों और मास्टरमाइंड को न्याय के कठघरे में खड़ा जाए।'

अगर आप सोचते हैं कि क्या पाक एक नया अध्याय शुरू करेगा और उसने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों को अंजाम देने वालों के बारे में ईमानदारी बरतने का फ़ैसला ले लिया है - ख़ास तौर पर तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप - तो एक बार फिर से सोचें। यह पैराग्राफ़ 3 अगस्त, 2015 को पाकिस्तान के अख़बार 'डॉन' में तारिक खोसा द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया है, जोकि पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी के पूर्व मुखिया हैं और उन्होंने 2009 में मुंबई आतंकी कांड की जांच की थी।खोसा ने लेख लिखते समय शायद सच की घुट्टी पी रखी होगी! ठीक उसी प्रकार, जब पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने 2018 में 'डॉन' को दिए एक साक्षात्कार में कुबूल किया था - 'आतंकवादी संगठन (अभी भी) सक्रिय हैं' और सवाल उठाया था कि क्या पाक को उन्हें 'सीमा पार करके मुंबई में 150 लोगों को मारने की अनुमति देनी चाहिए थी'? इतना भर कहने पर नवाज़ पर देशद्रोह का केस जड़ दिया गया था। अहम यह कि दोनों लेख अभी भी डॉन की वेबसाइट पर पढ़े जा सकते हैं - महत्वपूर्ण इसलिए कि यदि पिछले कुछ दिनों आपने पाकिस्तानी अखबार देखे हों,तो आपको यह सोचने के लिए माफ़ कर दिया जाएगा कि कहीं आप किसी और देश के समाचारपत्र तो नहीं पढ़ रहे। पाक मूल के कनाडाई नागरिक राणा के बारे में एक शब्द तक नहीं है, जो 2008 के मुंबई हमलों के दो प्रमुख षड्यंत्रकारियों में से एक है, जिसे हाल ही में भारत प्रत्यर्पित किया गया है। एक भी शब्द नहीं।

शहबाज़ शरीफ़ सरकार बलूचिस्तान के मसले से जिस तरह निपट रही है, उस पर आलोचनात्मक लेख? हां है। आपको हैरानी नहीं हो रही, जानते हैं कि क्यों। एक ओर, पाक सरकार ने अपने दरवाजे खोल दिए और पाकिस्तान के लोगों ने अपने दिल - और 6,500 सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए, ताकि वे ननकाना साहिब, पंजा साहिब, करतारपुर साहिब और अन्य गुरुद्वारों में बैसाखी मना सकें। और इसलिए इस कांड में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक हाफिज सईद से शुरू करके ज़की-उर-रहमान लखवी तक के तमाम साजिशकर्ता खबरों से गायब हैं। शिकागो जेल में बंद दूसरे मास्टरमाइंड डेविड हेडली का भी कोई जिक्र नहीं है। मेजर इकबाल हो या साजिद मीर या अब्दुल रहमान, हाशिम सैयद या फिर इलियास कश्मीरी, इनपर भी कोई बात नहीं है - सभी के खिलाफ एनआईए ने आरोप पत्र दायर कर रखा है और वे आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं।

मुंबई के उन दिनों और रातों की यादें पाक पर कफन की तरह मंडरा रही हैं।

आत्मनिर्भरता की तरफ ठोस कदम बढ़ाए भारत

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

सुरेश सेठ

अमेरिका की ओर से लगातार अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकियां भारत की नीतिगत स्थिरता को प्रभावित करती हैं। इसलिए अब भारत को यह ठान लेना चाहिए कि वह आयात-निर्भर आर्थिक ढांचे से बाहर निकले और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए।डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालते समय वादा किया था कि वे विश्व में शांति के प्रतीक बनेंगे। उन्होंने इस्राइल-हमास संघर्ष को समाप्त कराने और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रवत संबंधों के आधार पर रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात कही थी। लेकिन धरातल में ये संभव न हुआ।

अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, आर्थिक मोर्चे पर भी लड़े जा रहे हैं। देश और नेता, जो मूलतः व्यापारी मानसिकता रखते हैं, अब टैरिफ के ज़रिए एक-दूसरे को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इस आर्थिक युद्ध में जनता की आजीविका, देश की अर्थव्यवस्था और व्यापारिक स्थिरता बुरी तरह प्रभावित होती है।डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने कार्यकाल में दर्जनों देशों के खिलाफ टैरिफ वॉर की शुरुआत की। इन देशों पर अमेरिका ने 10 से 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाया। इस नीति का असर केवल वैश्विक व्यापार पर ही नहीं, बल्कि मंदी, बेरोजगारी और आर्थिक अस्थिरता के रूप में साफ दिखने लगा है। अमेरिका ने भारत से आने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाकर

स्पष्ट कर दिया कि वह अब अपनी 'उदार' नीतियों में बदलाव लाएगा। नतीजतन भारत में महंगाई बढ़ेगी, शेयर बाजार गिरे, और आर्थिक योजनाएं प्रभावित हुईं।भारत, जो अमेरिका से जो उत्पाद आयात करता है, अब मूल्य और कर दोनों के दबाव में है। यदि अमेरिका इन वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है, तो भारतीय बाजार में महंगाई बढ़ेगी। आरबीआई की मौद्रिक नीतियां भी अस्थिरता से प्रभावित हो रही हैं।

अमेरिका का कहना है कि भारत और अन्य देश अपने निर्यात पर अत्यधिक शुल्क लगाते हैं, इसलिए वह भी जवाबी शुल्कों की एक यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ वॉर शुरू कर देते हैं, तो यह न केवल अमेरिका बल्कि भारत जैसे विकासशील देशों के आम नागरिकों के हितों को भी नुकसान पहुंचा सकता है।चाहे अमेरिका का उद्देश्य यही है कि इतना अधिक शुल्क लगाने वाले देशों को भी मजबूरन अपना शुल्क कम करना पड़े परन्तु दुनिया के पिछड़े देशों और भारत के लिए भी अमेरिका अभी तक आशा की एक किरण रहा है। वह इन देशों से जितना माल खरीदता है, उससे कम सामान बेचता है। इन पिछड़े देशों का ऊंचा टैक्स भार उठाते हुए और उन्हें उदार कर देते हुए वह हमेशा घाटे का सौदा करता है।भारत लंबे समय से अमेरिका पर व्यापारिक सहयोग के लिए निर्भर रहा है, लेकिन अब अमेरिका पहले जैसी उदारता दिखाने को तैयार नहीं है। वह अपने यहां आने वाले उत्पादों पर ऊंची टैरिफ दरें लगाकर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में भारत के सामने दो ही विकल्प हैं - एक, अमेरिका के साथ एक विस्तृत द्विपक्षीय व्यापार समझौता कर लिया जाए; दूसरा, टैरिफ युद्ध से डरकर अपने निर्यात उत्पादों पर शुल्क कम कर दिया जाए, ताकि यह करों की लड़ाई बेलगाम न हो जाए।परंतु अमेरिका से टैरिफ युद्ध लड़ना भारत जैसे आयात-आधारित अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए बेहद कठिन है। हमारे यहां जिन वस्तुओं का आयात होता है।

तंदूरी ब्रोकली से बढ़े हेल्दी टेस्ट का हीट!

ब्रोकली को तंदूरी मसालों और दही के साथ मिलाकर मैग्नेट किया जाता है। फिर इसको तवे या ग्रिल पर इसको पकाया जाता है, जिससे कि यह कुरकुरा और सुनहरा भूरा हो जाता है। आप इस डिश को रोटी, नान या फिर पसंदीदा चावल के साथ सर्व कर सकते हैं।

ब्रोकली को तंदूरी मसालों और दही के साथ मिलाकर मैग्नेट किया जाता है। फिर इसको तवे या ग्रिल पर इसको पकाया जाता है, जिससे कि यह कुरकुरा और सुनहरा भूरा हो जाता है।

आप इस डिश को रोटी, नान या फिर पसंदीदा चावल के साथ सर्व कर सकते हैं। सामग्री, मैरिनेशन के लिए, हंग कर्ड- आधा कप, काली मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर- आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- आधा छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार, नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच, अदरक-लहसुन पेस्ट- आधा बड़ा चम्मच नमक- स्वादानुसार, ब्रोकोली- 2, टमाटर- 3 काली इलायची पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, सूखी मेथी की पत्तियां- 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला- 1 छोटा चम्मच, तेल- 1 बड़ा चम्मच, सरसों का तेल- 1 चम्मच

दही- स्वादानुसार, धनिया पत्ती- स्वादानुसार, तंदूरी ब्रोकली विधि, सबसे पहले एक बड़े बाउल में काली मिर्च पाउडर, दही, काली इलायची पाउडर, अदरक-लहसुन का पेस्ट, सरसों का तेल, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, नींबू का रस, नमक और भुना हुआ बेसन इन सभी को अच्छे से मिला लें।

अब एक दूसरे बाउल में पानी ले लें और सब्जियों को साफ करके मिलाएं। फिर सब्जियों को 8-10 मिनट के लिए अलग रखकर छान लें। इसके बाद एक कपड़े पर रखकर सब्जियों को सुखा लें।

फिर एक बड़े पैन में पानी और नमक डालकर उबाल लें। इसमें अब ब्रोकली डालें और 1-2 मिनट तक पकाएं।

अब इसको आइस्ड पानी में ठंडा होने के लिए डालें और फिर साफ कपड़े पर सुखाने के लिए रख दें।

इसके बाद टमाटर को आधा काट लें और इस पर काली मिर्च और नमक लगाएं। अब एक छोटे बाउल में लाल मिर्च पाउडर, सूखे मेथी के पत्ते, काली इलायची पाउडर चाट मसाला मिलाएं। फिर तंदूरी मैरिनेशन को ब्लांच ब्रोकली पर अच्छे से लगाएं और अलग रख दें। अब यही मेरिनेशन टमाटर पर भी लगाएं और अलग रख दें।

अब दो ग्रिल पैन में सरसों का तेल डालकर एक पैन में ब्रोकली और दूसरे में टमाटर को दूसरे पैन में रखें। फिर मीडियम आंच पर इसे सुनहरा होने तक पकाएं। इस तरह से स्वादिष्ट तंदूरी ब्रोकोली बनकर तैयार हो जाएगी। इसको एक प्लेट में निकालें और गर्मागर्म रोटी के साथ सर्व करें।

एसी की अनमोल हवा, सेहत पर सजा

गर्मी से राहत पाने के लिए एसी की ठंडी हवाओं में बैठे रहना सबको पसंद आता है। पूरे दिन एयर कंडीशनर की हवा में पूरे दिन बैठने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। एक्सपर्ट से जान लेते हैं कि एसी की हवा में बैठने से सेहत पर असर पड़ता है।

सेहत की बात

एयर कंडीशनर आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है, जो अत्यधिक तापमान से घरों, ऑफिस और वाहनों में आराम प्रदान करता है। गर्मियों में एसी बैठे रहने से बॉडी को ठंडक तो मिलती है लेकिन इसके नुकसान भी होते हैं। एसी की हवा स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है।

एसी में पूरे दिन बैठने से श्वसन संबंधी समस्याओं से लेकर त्वचा की जलन तक कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आइए आपको बताते हैं दिनभर एसी की हवा में बैठना भी हमारी सेहत के लिए ठीक नहीं है? इससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

दिनभर में एसी की हवा में बैठने से सेहत पर क्या असर होता है?

स्किन ड्राई और डिहाइड्रेशन हो जाती है, अगर आप पूरे दिन एसी में बैठें रहते हैं, तो स्किन और म्यूकस मेम्ब्रेन ड्राई हो जाते हैं। इस कारण त्वचा में जलन, खुजली और आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। इसके साथ ही आपकी त्वचा भी रुखी हो जाती है, जिससे त्वचा पपड़ीदार हो सकती है। अगर आप हाइड्रेटेड नहीं रहते हैं चो आपकी बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है।

सांस से जुड़ी समस्याएं

पूरा दिन एसी में बैठे रहने से सांस से जुड़ी समस्याओं की वजह भी बन सकती है। इस कारण अस्थमा या साइनस का खतरा बढ़ जाता है। यदि एसी की साफ-सफाई न की जाए, तो इससे उसमें बैक्टीरिया जमने लगते हैं। एसी की हवा में बैठने से आपको इंफेक्शन या एलर्जीक रिएक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

जोड़ों और मसल्स में दर्द

अगर आप ऑफिस में पूरे दिन एसी में बैठे रहते हैं, तो आपकी मांसपेशियां सिकुड सकती हैं, जिससे गर्दन और पीठ की मांसपेशियों में अकड़न हो सकती है। गलत पोस्चर में लंबे समय तक एसी में बैठने से दर्द और अकड़न बढ जाता है।

सिरदर्द और तनाव

अगर आप भी एसी में पूरे दिन बैठे रहते हैं और शरीर को नेचुरल हवा नहीं मिल रही है। इस कारण से थकावट और सिरदर्द हो सकता है। इसका प्रभाव आपके मेंटल हेल्थ पर भी पड़ सकता है, जिससे मानसिक रुप से थकावट हो सकती है।

इम्यूनिटी कमजोर होना

एसी में लगातार बैठे रहने से इम्यूनिटी पर भी प्रभाव पड़ता है। शरीर की तापमान झेलने की क्षमता कम हो सकती है। इसके साथ ही इंफेक्शन और कोल्ड भी हो सकता है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

वाटर पार्क में मजा अपार, सेफ्टी रखे खुशियां बरकरार!

गर्मी से राहत पाने के लिए लोग वाटर पार्क जरुर घूमने जाते हैं। वाटर पार्क में जाने के लिए पूरा दिन चाहिए होता है। अगर आप भी वाटर पार्क घूमने जा रहे हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान वरना जरा-सी लापरवाही इस मजे को बीमारी या चोट में बदल देगी।

गर्मियों में सबसे ज्यादा मजा तो वाटर पार्क जाने में आता है। लोग भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए वाटर पार्क जरुर जाते हैं। समर विकेशन में बच्चे अपनी फैमिली के साथ वाटर पार्क जाने की जिद् तो जरुर करते हैं। गर्मियों की छुट्टी का आनंद लेने के लिए बच्चों से लेकर बड़ें भी सब लोग वाटर पार्क में एन्जॉय करने के लिए उत्सुक रहते हैं। राइड्स की ढेर सारी मस्ती हर कोई पसंद करता है। ठंडे पानी की फुहारे भी काफी मजा देती है। ऐसे में अगर आप भी वाटर पार्क जा रहे हैं, तो इन बातों का विशेष रखें ख्याल।

स्विमवियर सही चुनें

अगर आप वाटर पार्क जा रहे हैं, तो सही स्विमवियर जरुर चयन करें। स्टाइल के साथ कंफर्ट और सेफ्टी के लिए भी बेहद जरूरी होता है। इसलिए सही से स्विमवियर चुनें। ढीले कपड़े या टाइट कपड़े परेशानी की वजह बन जाते हैं। ऐसे स्विमवियर पहनें जो बॉडी से चिपका हो, लेकिन बॉडी को सांस लेने में कोई परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त कॉटन कपड़े न पहनें। आप नायलॉन, स्पैन्डेक्स या पॉलिएस्टर के स्विमवियर ले सकते हैं।

धूप से बचें

वाटर पार्क जाने से टैनिंग की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए आप धूप से बचने केलिए वाटरप्रूफ या कम से कम स्क्न्न 30+ वाला सनस्क्रीन लगाएं। इसे आप हर 2-3 घंटे के बाद जरुर लगाएं। धूप से बचने के लिए आप हैट या कैफ पहन सकते हैं। इसके अलावा, ड्ड प्रोटेक्शन वाले चश्मे आंखों को आप पहन सकते हैं, जो कि धूप से बचाते हैं। हाइड्रेशन जरुरी है वाटर पार्क में मस्ती करने बाद लोग हाइड्रेटेड रहना तो भूल ही जाते है। लोग पानी पीना तो बिल्कुल ही भूल जाते हैं। ऐसा करने से शरीर डिहाइड्रेटेड हो सकता है। जिससे आप बीमार पड़ सकते हैं। इसलिए हर एक घंटे में 1 गिलासपानी जरुर पिएं। पानी पीने से थकावट, सिरदर्द और चक्कर आने जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। बच्चों को भी पानी पिलाते रहें।

भीड़ से बचने के लिए सही टाइमिंग जरुरी है अगर आप वाटर पार्क जाएं, तो सोमवार से शुक्रवार के बीच ही जाएं। इस समय के दौरान भीड़ कम होती है। वीकेंड्स और छुट्टियों में बहुत ज्यादा भीड़ होती है। अगर आप सही टाइमिंग की प्लानिंग करेंगे तो वाटर पार्क जाना मजेदार रहेगा।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

वाटर पार्क जाना तो सभी को अच्छा लगता है लेकिन साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। नहीं तो आपको इंफेक्शन और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती है। पूल में जाने से पहले और बाद में नहाना जरुरी है इसलिए वाटर पार्क में शावर मौजूद होते हैं। हाथों को धुलते रहें और सेनटाइज करें। नंगे पांव ज्यादा न चलें, वरना फंगल इंफेक्शन हो जाएगा।

आबकारी टीम ने पकड़ी बिहार जा रही तस्करी वाली शराब

» शादियों के सीजन में सस्ती शराब की डिमांड बढ जाती है। शराब की तस्करी करने वाले हरियाणा और चंडीगढ से यह डिमांड पूरी करते हैं

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आबकारी विभाग की टीम ने बिहार जा रही ट्रक से हरियाणा स्टेट की 6 पेटी शराब को पकडा। इसमें टीम को 72 बोतल बरामद हुई, यह शराब हरियाणा स्टेट से बिहार सप्लाई के लिए जा रही थी। जिला आबकारी अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि शराब तस्करी और नकली शराब बनवाने वाले पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा से आने वाले वाहनों की जांच के लिए टीम बनाई गई है। बिहार जा रही छह पेटी शराब पकडी गई है। इसमें एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।हरियाणा और चंडीगढ में शराब के रेट कम होने से इसकी डिमांड यूपी और बिहार में अधिक है। शराब तस्कर इसका फायदा उठाते हैं, जिससे प्रदेश के राजस्व को खासी हानि होती है। आबकारी विभाग ने हरियाणा से आने वाली ट्रेनों और वाहनों की जांच के लिए टीम बनाई है। टीमें इन वाहनों की जांच करेंगी और दूसरे स्टेट की शराब मिलने पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बिना बार लाइसेंस छलक रहे थे जाम

आबकारी विभाग की टीम ने बिना लाइसेंस शराब पिलाए जाने वाले स्थान पर छापे मारे जाने की कार्रवाई शुरू की है। टीम ने स्वरूप नगर स्थित ब्लू मून रेस्टोरेंट में छापा मारा तो यहां कई लोग जाम टकराते मिले। टीम ने यहां कई बियर की केन, वोदका बोतल और अंग्रेजी शराब की बोतल मिली। रेस्टोरेंट पर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आबकारी अधिकारी ने बताया कि बिना लाइसेंस किसी भी समारोह, रेस्टोरेंट, ढाबा या होटल में शराब पिलाया जाने पर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कुरान की तिलावत पूरी कर सात साल की बच्ची ने दिल जीता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बासमंडी के मक़ामी बाशिंदे जनाब नुरुल अनवर नदीम की महज़ 7 साला मासूम बेटी ने मुकम्मल तौर पर कुरान–ए–मजीद की तिलावत पूरी कर एक रौशन मिसाल क़ायम की है।

इस पुरनूर मौक़े पर एक रुहानी महफ़िल–ए–दुआ मुनक्किद की गई, जिसमें अज़ीम तादाद में अहल–ए–मोहल्ला, रिश्तेदार और दीगर मोहतरम अशख़ास ने शिरकत फरमाई।

इस पुरखुलूस मजलिस में बच्ची को खूब मुबारकबाद पेश की गई और उसके इस कारनामे की दिल खोल कर दाद दी गई।

लोगों ने ना सिर्फ़ उसके अज़्म व हिम्मत की तारीफ़ की, बल्कि उसके रोशन मुस्तकबिल और दीनी कामयाबी की दुआएँ भी दीं।

महफ़िल में मक़ामी उलेमा–ए–इकराम, बुज़ुर्ग, अहल–ए–खानदान और दीगर मोअज्ज़ज़ अफ़राद की मौजूदगी ने इस मजलिस को और भी नूरानी बना दिया।

हर आँख इस नज़ारे से नम थी और हर दिल से यही आवाज़ उठ रही थी कि वाक़ई ये अल्लाह रब्बुल–इज्ज़त का करम–ए–ख़ास है।

जनाब नुरुल अनवर नदीम ने इस पुरसुकून मौके पर तमाम मेहमानों का तह–ए–दिल से शुक्रिया अदा किया।

बिना सूचना नदारद डॉक्टर, खुली रही स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

सरायं पीएचसी का निरीक्षण करते डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान

बरौर पीएचसी में इलाज करते डिप्टी सीएमओ डॉ आदित्य सचान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बदलते मौसम का उतार-चढ़ाव लोगों को संक्रामक बीमारियों की चपेट में ले रहा है। रविवार को बरौर के पीएचसी में 38 और मलासा 28 ओर जरसेन पीएचसी 24 मरीजों का इलाज किया गया। वही ज्यादातर मरीज बुखार व उल्टी दस्त की समस्या से ग्रस्त रहे।

» स्वास्थ्य मेले में भी 11 बजे पहुंचते हैं डॉक्टर, निरीक्षण में खुला राज

डिप्टी सीएमओ आदित्य सचान ने चार पीएचसी का किया औचक निरीक्षण, राजपुर, रसधान और बरौर में 48 मरीज का खुद किया उपचार डॉ. राहुल खरे से वेतन के साथ साथ मांगा गया स्पष्टीकरण

वहीं निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ को पीएचसी सरांय में सुबह ग्यारह बजे चिकित्सक नदारद मिले। दो दिन से बिना सूचना के डॉक्टर गायब भी मिले, इससे अफसरों का पारा हाई हो गया।रविवार को सीएचसी में आरोग्य मेले में डॉ विकास कुमार ओर बरौर पीएचसी में डिप्टी सीएमओ ने मरीजों का उपचार ओर निरीक्षण किया। ओर अभिलेखों से सही से दंग से रखने को बोला। मरीजों को इस समय उत्तम उपचार मिला रहा है। सबसे अधिक पेट दर्द व उल्टी मरीज रहे। स्वास्थ्य सेवाओं की अच्छी व्यवस्था परखने के लिए डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने अमरौधा ब्लॉक के सरांय व मलासा की बरौर पीएचसी का निरीक्षण किया। सरांय पीएचसी में आरोग्य मेले में सुबह 11 बजे चिकित्सक डॉ. राहुल खरे नहीं पहुंचे थे। डिप्टी सीएमओ के पहुंचने के बाद चिकित्सक अस्पताल पहुंचे। अभिलेखों की जांच में डिप्टी सीएमओ को जानकारी हुई कि बगैर किसी सूचना के शुक्रवार व शनिवार को डॉ राहुल खरे पीएचसी नहीं पहुंचे थे। मेले में भी 11 बजे तक अस्पताल नहीं पहुंचने पर डिप्टी सीएमओ ने नाराजगी जाहिर कर स्पष्टीकरण तलब किया। इधर बरौर पीएचसी में दोपहर दो बजे तक 11 मरीजों का इलाज किया गया। डिप्टी सीएमओ ने दस मरीजों का इलाज किया। यहां मलासा पीएचसी में डॉक्टर जयनीत कटियार ओर देवीपुर सीएचसी में डॉक्टर विकास कुमार बरौर पीएचसी डॉ.शशि कटियार, फार्मासिस्ट सुधीर सचान व अन्य डॉक्टर आदि मौजूद रहे हैं।

इलाज कराने के लिए निकला किशोर लापता

लापता किशोर

पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट, भोगनीपुर थाना के मलासा गांव का है किशोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मलासा गांव का किशोर इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गया था। किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में कही लापता हो गया। पिता ने पुत्र के गुम हो जाने संबंधी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के मलासा गांव निवासी राहुल ने रविवार को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र आर्यन शनिवार सुबह करीब 10 बजे इलाज कराने के वास्ते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवीपुर गया हुआ था। परंतु वापस घर नहीं पहुंचा। काफी खोजबीन के पश्चात भी उसका अभी तक कहीं पता नहीं चल सका है।जिससे घर के परिजन परेशान हैं। कोतवाल अंजन कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। किशोर की तलाश कराई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डीएम ओर सीडीओ की नहीं सुनते जल निगम के अफसर

» कई गांवों में अधूरी टंकी व खुदी सड़को से ग्रामीण परेशान

» बीजेपी ब्लॉक प्रमुख अतुल चंदेल के गांव का हाल बेहाल

» ग्राउंड जीरो पर स्वराज इंडिया के जिला संवाददाता ने पहुंच कर देखी हकीकत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जल जीवन मिशन योजना के तहत बनने वाली पानी टंकियां के निर्माण में जिम्मेदारों की अनदेखी अब ग्रामीणों पर भारी पड़ रही है। हर घर शुद्ध जल पहुंचने की योजना जिले में विफल नजर आ रही है। निर्धारित समय सीमा गुजरने के बावजूद परियोजनाओं के निर्माण कार्य अधूरे पड़े है। वही गांव में पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़के मुसीबत बनी है। इससे जहां एक और ग्रामीण उखड़ी सड़कों पर हिचकोले खा रहे हैं। वही समय खत्म होने के बावजूद भी परियोजनाओं का निर्माण नहीं हो पा रहा है। सरमन खेड़ा ब्लॉक के नहौली ग्राम पंचायत में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के तहत बनाई जा रही 170 लाख रुपये की लगात से टंकी का कार्य होना है। पानी टंकी का कार्य 07/11/2022 से में निर्माण कार्य शुरू होना था इसको 06/11/2023 को पूर्ण कराया जाना था, लेकिन निर्माण की तय समय सीमा से एक साल से अधिक बीत जाने के बाद भी पेयजल टंकी का निर्माण

क्या बोले जल निगम के अधिकारी.....

जल निगम के एक्सईएन मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। गांव में काम क्यों बंद है। इसकी जानकारी कराई जाएगी और ठेकेदार से जवाब तलब किया जाएगा।

अधूरा पड़ा हुआ है।गांव के कई हैंडपंप खराब है,जिस कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए मशक्कत करनी पड़ती है।अब अप्रैल महीने की शुरुआत से ही पानी की मांग बढ़ गई है।

गांव के ग्रामीण अभिषेक काशीराम,छुना, राजकुजार, बल्ले, मोतीलाल आदि लोगों ने बताया कि हमें बड़ी उम्मीद थी अब गांव में हमको हैंडपंप में लाइन नहीं लगनी पड़ेगी लेकिनउम्मीदें में पानी अब फिर गया है। कोई सुनने वाला नहीं है। सब अपनी अपनी सरकार ओर अपनी मनमानी पेल रहे हैं। जिसके चलते ग्रामीणों की परेशानी और भी बढ़ गई है। लेकिन पानी टंकी का निर्माण ना हो पाने के कारण योजना साकार होकर संचालित नहीं हो पा रही है वही खुदी गांव की गलियां और सड़कें लोगों

के लिए समस्या बनी है। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल टंकी का निर्माण बंद है इस कारण ग्रामीणों को अन्य संसाधनों से पेयजल की व्यवस्था करनी पड़ रही है। जल निगम के अधिकारी जल्द ही पेयजल टंकी का निर्माण पूर्ण कराएं। ग्रामीणों की माने तो गांव में पाइपलाइन मेंटर डालने के लिए सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं। कुछ गलियों में पाइप लाइन पड़ गई है।लेकिन कुछ स्थानों में पाइपलाइन नहीं डाली गई। इस कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आखिर कब तक पूरा होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना पूरा।

न्याय तब तक अधूरा है जब तक अंतिम पंक्ति का व्यक्ति उसे महसूस न कर सके...

सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने सरवनखेड़ा विकासखंड स्थित बिल्टी गांव में आयोजित कार्यक्रम में कही

संवाददाता स्वराज इंडिया

माती । न्याय निर्णय होने से से ज्यादा न्याय निर्णय हुआ यह दिखाई पड़ना जरूरी है तभी बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की संविधान प्रदत्त विधिक अधिकारों का वास्तविक प्रवर्तन संभव होगा।यह बात सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने सरवनखेड़ा विकासखंड स्थित बिल्टी गांव में सिविल बार एसोसिएशन के तत्वावधान में बाबा साहब के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए एक समृद्ध और समान समाज का निर्माण हो सकता है। जितेन्द्र चौहान ने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों को अपनाते हुए जाति प्रथा को समाप्त करने केलिए हमें अपनी सोच और भावना में बदलाव लाना होगा न कि केवल व्यवस्था में।देश की वर्तमान राजनीति उनके आदर्शो के दुरुपयोग पर चर्चा करते हुए जितेन्द्र चौहान ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल उनकी विचारधारा और आदर्शों को दूषित मानसिकता से गलत ढंग और छलावे से उसका दुरूपयोग राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे। जो देश व सभ्य समाज के लिए उचित नहीं है।महामंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ला ने कहाकि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संदेशों का दुरुपयोग रोकने के लिए हमें उनके आदर्शों और विचारों को समझना होगा और उन्हें सही तरीके से अपनाना होगा।

कहाकि बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलते हुएएक समृद्ध और समान समाज का निर्माण हो सकता है। कहाकि बाबा साहब ने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण केलिए काम किया। उनका मानना था कि महिलाओं

के बिना समाज का सुधार और विकास नहीं हो सकता।एक एनजीओ संचालक अधिवक्ता प्रांशु सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षा को बहुत महत्व दिया,और उन्होंने कहा कि शिक्षा वह शस्त्र है जिससे समाज की सबसे गहरी बेड़ियों को तोड़ा जा सकता है।संस्था के कोषाध्यक्ष परितोष सिंह चंदेल ने संचालन करते हुए कहाकि डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक महान नेता थे जिन्होंने भारतीय संविधान को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई! उनकी जयंती पर,हम उनके आदर्शों को याद करते हैं और समाज में समानता और न्याय की दिशा में काम करने का संकल्प लेते हैं। ग्रामवासी मौजूद रहे।

महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान बाबा साहब की देन: एसडीएम रश्मि लाम्बा

» तहसील सभागार में मनाई गई अम्बेडकर जयंती

» एसडीएम ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला

» बिल्हौर सर्किल में अम्बेडकर जयंती पर जगह-जगह हुए कार्यक्रम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। तहसील सभागार में भारत रत्न भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के मौके पर एसडीएम बिल्हौर रश्मि लाम्बा व तहसील के अधिकारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए पूजन किया और उनके जीवन पर प्रकाश डाला। एसडीएम बिल्हौर रश्मि लाम्बा ने बाबा साहब का राष्ट्र के प्रति समर्पण, त्याग और उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान बाबा साहेब की देन है।इस दौरान ,नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, क़ानूनगो दिव्या भारती ,समेत तहसील के अधिकारी व कई लेखपाल, क़ानूनगो, तहसील कर्मचारी मौजूद रहे।उधर बिल्हौर सर्किल के चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन, और बिल्हौर ब्लॉक अंतर्गत संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर की जयंती पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए । बिल्हौर ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया के नेतृत्व में उनके गांव बीबीपुर स्थित बाबा साहब की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब के योगदान को कभी भी भुलाया जा नहीं सकता। इस दौरान क़स्बा प्रभारी नरेंद्र कुमार, दरोगा द्वारिका प्रसाद समेत ग्रामवासी मौजूद रहे।ककवन ब्लॉक में भी बाबा साहब की जयंती पर उन्हें नमन किया गया। ककवन बीडीओ संग ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार, एसडीएओ पंचायत बाबू सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख ने बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। उधर मकनपुर ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।और बाबा साहब की जीवनी पर बखान किया गया।इसके बाद ग्राम प्रधान ने मिठाई वितरित की। इसके साथ ही सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों में भी बाबा साहब की जयंती धूमधाम से मनाई गई और रैली निकाली गई।

सूफ़ी शाह मलंग प्रकोष्ठ ने बाबा साहब की जयंती पर याद किया

लखनऊ चिनहट में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ।मुस्लिम राष्ट्रीय मंच सूफ़ी शाह मलंग प्रकोष्ठ की ओर से सोमवार को संविधान रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर ताहिर शाह एवं एडवोकेट चांदनी शाह के नेतृत्व में लखनऊ चिनहट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जीवनी के बारे में बखान किया। इस दौरान इज़हार शाह, तहशीन, मोहसिन समेत (मुस्लिम राष्ट्रीय मंच) सूफ़ी शाह मलंग प्रकोष्ठ के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

खगोलीय घटनाओं के बारे में भी जानेंगी केजीबीवी की छात्राएं

हर विद्यालय का अपना बैंड होगा तैयार, छात्राएं सीखेंगी लोकनृत्य, वाद्य यंत्रों से होंगी रूबरू

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रदेश के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राएं अब ग्रह और नक्षत्रों की चाल को भी जानेंगी इसके लिए हर विद्यालय में एक एस्ट्रोलॉजिकल लैब बनाई जाएगी।

शिक्षा मंत्रालय की प्रोजेक्ट एडवाइजरी बोर्ड (पीएबी) ने प्रदेश के 746 केजीबीवी के लिए 1243 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। इससे विद्यालयों का समग्र विकास किया जाएगा। प्रदेश के 746 कस्तूरबा विद्यालयों को इंटरमीडिएट कक्षा तक अपग्रेड किया जा रहा है। इनमें से कुछ विद्यालयों में बाउंड्रीवाल या तो नहीं है या कम ऊंची है। इससे सुरक्षा को लेकर समस्या आ रही है। बिना जानकारी के छात्राओं के विद्यालय से बाहर जाने की सूचनाएं भी मिली हैं। लिहाजा सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए ऊंची बाउंड्रीवाल बनाई जाएगी। इसके लिए 121 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। वहीं छात्राओं को खगोलीय घटनाओं, ग्रह व नक्षत्रों की जानकारी देने के लिए हर विद्यालय में एस्ट्रोलॉजिकल लैब भी बनाई जाएगी। इससे छात्राओं में विज्ञान की पढ़ाई के प्रति रुझान बढ़ेगा। इसके लिए प्रति विद्यालय चार लाख के हिसाब से कुल 29 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही एक केजीबीवी एक खेल योजना को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत हर जिले में दो-दो कस्तूरबा विद्यालय चिह्नित कर खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए 19 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। छात्राओं को स्वस्थ व सशक्त बनाने के लिए हर केजीबीवी में ओपेन जिम बनाने के लिए दो लाख प्रति विद्यालय बजट स्वीकृत हुआ है। वहीं वाशिंग मशीन व सोलर गीजर के लिए 2.50 लाख रुपये प्रति केजीबीवी मिला है। सभी विद्यालयों में जेनसेट भी लगेगा। इससे छात्राओं को गर्मी में काफी राहत मिलेगी। हर केजीबीवी का अपना एक बैंड तैयार किया जाएगा। छात्राएं विद्यालय के साथ ही विभिन्न आयोजनों में इसका प्रदर्शन करेंगी। वहीं छात्राओं को लोकनृत्य व वहां की जीवनशैली और वाद्य यंत्रों से भी रूबरू कराया जाएगा। इसके लिए वाद्य यंत्र भी खरीदे जाएंगे। इसके लिए छह करोड़ रुपये का बजट मिला है। छात्राओं को ताजा भोजन उपलब्ध कराने के लिए रोटी बनाने वाली मशीन भी लगाई जाएगी।

ओवरलोड डंपर छलनी कर रहे जिले की सड़कें, जिम्मेदार लाचार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)। जिले में ओवरलोड मिट्टी और बालू के भरे डंपर सड़कों को बदहाल बना रहे हैं। इसके चलते साल भर पहले ही बनी कई सड़के उधड़ कर फिर से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। शिकायत के बाद भी प्रशासनिक टीम इन ओवरलोड डंपरों के संचालन पर रोक नहीं लगा पा रही है। सड़क पर फैली मिट्टी से उड़ता धूल का गुबार लोगों का आवागमन दुश्वार बना रहा है।

शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही है कार्रवाई
सड़क पर फैली मिट्टी से उड़ती धूल का गुबार लोगों के लिए बना दुश्वार

जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बड्डूपुर थाना क्षेत्र के लिलौली गांव में बेखौफ तरह से मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है। यह मिट्टी क्षेत्र के कुर्सी, टिकैतगंज, बहरौली, उमरा, रीवा सीवा आदि अलग-अलग साइड स्थलों तक पहुंचाई जा रही है। मिट्टी भरे ओवरलोड डंपर लखनऊ -महमूदाबाद मार्ग से होकर निकलते हैं। इस कारण ओवरलोड डंपरों के कारण यहां कि सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से जगह-जगह गड्ढा युक्त हो गई है। बड्डूपुर कस्बा निवासी कारोबारी प्रमोद कुमार, रामनरेश, रामसिंह, नंद किशोर ने बताया कि दिन भर उड़ती धूल से दुकानदारी भी चौपट हो रही है। घर के सामने दिन भर में कई बार पानी का छिड़काव करना पड़ता है।

शिकायत के बाद भी अधिकारी इस पर रोकथाम लगाने को लेकर उदासीन बने हैं। खनन अधिकारी ने बताया कि यदि रॉयल्टी के विपरीत मिट्टी निकाली जा रही है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पताल की लापरवाही से गई प्रसूता की जान

» स्वास्थ विभाग की मनमानी से बेहाल निजी अस्पताल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में निजी हॉस्पिटल की घोर लापरवाही के चलते एक बार फिर स्वास्थ्य महकमा सवालों के घेरे में आ गया है। काम चलाऊ नीति के चलते आखिरकार एक प्रसूता महिला की जान चली गई। मामला जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र सूरतगंज कस्बे में स्थित एक निजी अस्पताल शिवांशी हॉस्पिटल का है जहां घोर लापरवाही के चलते एक प्रसूता महिला की जान चली गई। माल मोहरा मजरे बल्लोपुर प्रथम निवासी शेषपाल ने बताया कि उनकी पत्नी रूबी (30) को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि महिला की हालत ऑपरेशन लायक नहीं थी, फिर भी अस्पताल के कर्मचारियों ने कथित तौर पर बिना सर्जन के टेक्नीशियन से ऑपरेशन करवा डाला।

ऑपरेशन के दौरान महिला की हालत बिगड़ गई और उसे लखनऊ ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मौत के बाद अस्पताल संचालक एम्बुलेंस से फरार हो गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई। वही हॉस्पिटल के बाहर विरोध प्रदर्शन के बाद सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टरों के नाम की आड़ में टेक्नीशियन द्वारा ऑपरेशन करा दिया जाता जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दिखावे के लिए लखनऊ रेफर किया गया, ताकि मौत का ठीकरा रास्ते में गिराया जा सके। जबकि प्रस्तुता की हॉस्पिटल में ही मौत हो जा चुकी थी।

मानक विपरीत रजिस्ट्रेशन की आड़ में कई धड़ल्ले से चल रहे अस्पताल

आज के समय में सूरतगंज कस्बे सहित इलाके में रजिस्ट्रेशन की आड़ में दर्जनों निजी अस्पताल बिना मानक और डॉक्टरों के संचालन कर रहे हैं। मोटे बैनरों में नामी डॉक्टरों के नाम का उपयोग कर भोली जनता से पैसे ऐंठे जा रहे हैं। डॉक्टरों के बिना फार्मासिस्ट और टेक्नीशियन ऑपरेशन तक कर रहे हैं। मौतों का ये सिलसिला अगर नहीं थमा, तो प्रशासन की चुप्पी और मिलीभगत भी सवालों के घेरे में आ जाएगी।

तरबूज और खरबूजा की खेती में प्राकृतिक मार...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सूरतगंज (बाराबंकी)। फतेहपुर तहसील क्षेत्र में किसानों द्वारा मेंथा की जगह अपनी आय दोगुनी करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर की जा रही तरबूज और खरबूजा की खेती में प्राकृतिक मार की वजह से फसल में फ्यूजेरियम विल्ट नामक ला इलाज रोग लगने से फसल नष्ट होती दिख रही है। इस रोग में अलग-अलग इलाकों में सैकड़ो विरा खरबूजा और तरबूज की खेती को अपनी आगोश में ले लिया है। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफतौर पर देखी जा सकती हैं। क्षेत्र के सैकड़ो किसने की समस्याओं को देखते हुए शैली किरतपुर निवासी प्रगतिशील किसान विजय बहादुर वर्मा ने जिले के कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया को पत्र लिखकर फसल के हुए नुकसान का सर्वे कराते हुए बिमित किसानों को उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है। विजय बहादुर वर्मा ने बताया कि वह खुद तरबूज और खरबूजा की खेती कर रहे हैं इधर एक सप्ताह के अंदर उनके भी खेत में यही रोक देखा गया जिसे उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से इस संबंध में जानकारी ली तो उन्हें यह ज्ञात हुआ कि इस रोग का कोई उपचार नहीं है। फ्यूजेरियम विल्ट नमक इस रोग के कारण किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दीं हैं।

रूल ऑफ लॉ अक्षरशः जमीनी धरातल पर दिखता है: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने अपनी कैबिनेट के साथ डॉ. आंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

लखनऊ। आंबेडकर जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के हजरतगंज स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर उनके साथ उनकी कैबिनेट के सहयोगी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने डॉ. आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए एक्स पर कहा कि सर्वसमावेशी, सर्वहितग्राही, उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से दीप्त, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को समृद्ध करते भारतीय संविधान के शिल्पकार, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन!

वे सच्चे अर्थों में भारत रत्न एवं लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला थे। समतामूलक एवं न्यायप्रिय समाज की स्थापना के लिए उनका संघर्ष हम सभी को अनंत काल तक प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर होगा। यह कार्यक्रम इसी महीने आगे बढ़ाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर गरीब-वंचित को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए पीएम मोदी की प्रेरणा से सरकार ने जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम को अपने हाथ में लिया है।

जीरो पॉवर्टी का मतलब कोई गरीब-वंचित न रह पाए। वह सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हो। पिछले 8 वर्ष में मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़, सहरिया को पूरी तरह से सेचुरेट करने का कार्य किया गया। हर जरुरतमंद को सुविधाओं का लाभ दिलाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर अंबेडकर महासभा की तरफ से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने स्मारिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में 14-15 लाख परिवारों को जोड़ेंगे। हर ग्राम पंचायत में 20-25 ऐसे परिवार होंगे, जिन्हें बहुत सारी सुविधाएं नहीं मिली होंगी। डबल इंजन सरकार उन्हें वह सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि यह योजना इसलिए बाबा साहेब के नाम पर जानी जाएगी, क्योंकि देश में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से समुन्नत करने का दर्शन उन्होंने ही दिया था। यूपी देश का पहला राज्य होगा, जो जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

चार साल की बच्ची से गंदी हरकत, कब्रिस्तान में छोड़ भागा आरोपी

» वाराणसी, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी में सोमवार को लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने 4 साल की बच्ची के साथ गंदी हरकत का मामला दर्ज किया है। आरोप पिता के ही दोस्त के खिलाफ है। तहरीर के अनुसार, बच्ची से बीते 12 अप्रैल यानी शनिवार को गंदा काम किया गया था।

जानकारी के अनुसार, क्रिश्चियन कम्युनिटी के कब्रिस्तान के पास रहने वाले एक परिवार की बच्ची घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान उसके पिता का दोस्त उसे अपने साथ कब्रिस्तान में लेते गया और वहीं पर उसके साथ गंदे काम को अंजाम किया। पिता ने बताया कि बच्ची को वहीं छोड़कर आरोपी भाग गया था। सोमवार को पुलिस ने मामला दर्ज किया और पीड़ित बच्ची को मेडिकल मुआयना के लिए भेजा। आरोपी बीएलडब्ल्यू क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है।

आंबेडकर जयंती पर एटा के जलेसर में मचा बवाल

दलित युवक को गोली मारने पर फैला आक्रोश, दुकानों में तोड़फोड़ से बंद करके भागे दुकानदार, पुलिस ने खदेड़ा

» जलेसर, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

एटा के जलेसर में भारत रत्न डॉ. बीआर आंबेडकर जयंती के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा से पहले दलित युवक को गोली मार दी गई। इस घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि आपसी लेनदेन की वजह से वारदात हुई।

वहीं घटना के बाद पुलिस के सामने ही हंगामा शुरू हो गया। कुछ युवकों ने बाजार की दुकानों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। ये देख पुलिस के पसीने छूट गए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हंगामा और तोड़फोड़ कर रहे लोगों को वहां से खदेड़ दिया।

ये घटना जलेसर पेट्रोल पंप रोड स्थित जनता क्लिनिक के पास की है। बताया गया है कि मेडिकल पर बैठने वाले दलित युवक अनिल को पड़ोसी दिनेश कुमार यादव द्वारा गोली मार दी गई। तत्काल युवक को उपचार के लिए अन्य लोग अस्पताल ले गए। उधर इस घटना की जानकारी मिलते ही दलित समुदाय में आक्रोश फैल गया।

घटना के एक घंटे बाद नगर में रैली निकालने वाली थी। लेकिन इस वारदात की सूचना मिलने के बाद सभी लोग एकत्रित होकर मौके पर पहुंच गए। दलित समाज के लोगों ने आगरा चौराहे पर जाम लगा दिया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया गया है कि पुलिस मामले को शांत कराने के प्रयास में जुटी हुई थी, उसी दौरान कुछ युवकों ने बाजार में तोड़फोड़ कर दी। दुकानों से सामान निकालकर फेंकना शुरू कर दिया। ये देख पुलिस के पसीने छूट गए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर इन युवकों को खदेड़ दिया।

पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी: अखिलेश

अंबेडकर की जयंती पर बोले सपा मुखिया

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आइए 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के लिए अपने 'स्वाभिमान-स्वमान' की अनुभूति को और सुदृढ़ करके, एकजुट होकर बाबा साहेब की देन व धरोहर 'संविधान और आरक्षण' बचाने के पीडीए के आंदोलन को नई ताकत प्रदान करें और दोहराएं कि 'संविधान ही संजीवनी' है और 'संविधान ही ढाल है' और ये भी कि जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा, तब तक हम सबका मान-सम्मान-स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा।

उन्होंने आगे लिखा कि 'स्वमान' के तहत हमने अपने सौहार्दपूर्ण, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक मानक और मूल्यों के साथ ही अपनी 'स्वयं की एकता' के मूल्य को समझकर, इस पीडीए रूपी एकजुटता की परिवर्तनकारी शक्ति का भी मान समझें। 'स्वाभिमान-स्वमान' के माध्यम से ही पीडीए समाज के लोग अपनी निर्णायक शक्ति हासिल करके उत्पीड़न, अत्याचार और पीड़ा से मुक्त होकर, स्वाभिमान से जीने का हक और अधिकार पा पाएंगे और दमनकारी, उत्पीड़नकारी, वर्चस्ववादी, प्रभुत्ववादी, शक्तिकामी नकारात्मक ताकतों को संवैधानिक जवाब दे पाएंगे।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लिखा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी, पीडीए की एकजुटता ही सुनहरा भविष्य बनाएगी। आइए अपने 'स्वाभिमान-स्वमान' के इस संघर्ष को समारोह में बदल दें। भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती सभी दल बड़ी धूमधाम से मना रहे हैं। भाजपा सरकार ने तो 13 अप्रैल से ही इसका आयोजन शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 14 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।